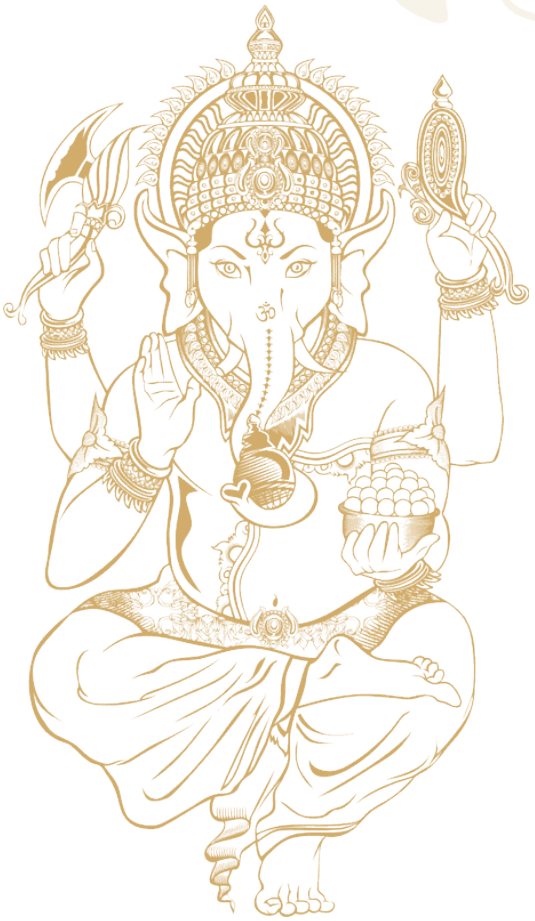

Banti singh

01 Dec 1984

04:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121941703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/12/1984**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	54:17:06 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:11:17 घंटे
साम्पातिक काल	08:49:54 घंटे
सूर्योदय	06:17:09 घंटे
सूर्यास्त	17:00:17 घंटे
दिनमान	10:43:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:16:21 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:28:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:28:36	317:39:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	15:16:21	01:00:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	21:54:02	11:56:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मक	17:48:15	00:45:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			धनु	05:57:50	00:34:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	20:53:22	00:12:37	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			धनु	26:38:56	01:11:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			तुला	27:45:29	00:06:58	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			वृष	03:43:30	00:00:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:43:30	00:00:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:51:26	00:03:40	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:41:01	00:02:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:50:13	00:02:04	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	16:22:58	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:32

लग्न-चलित

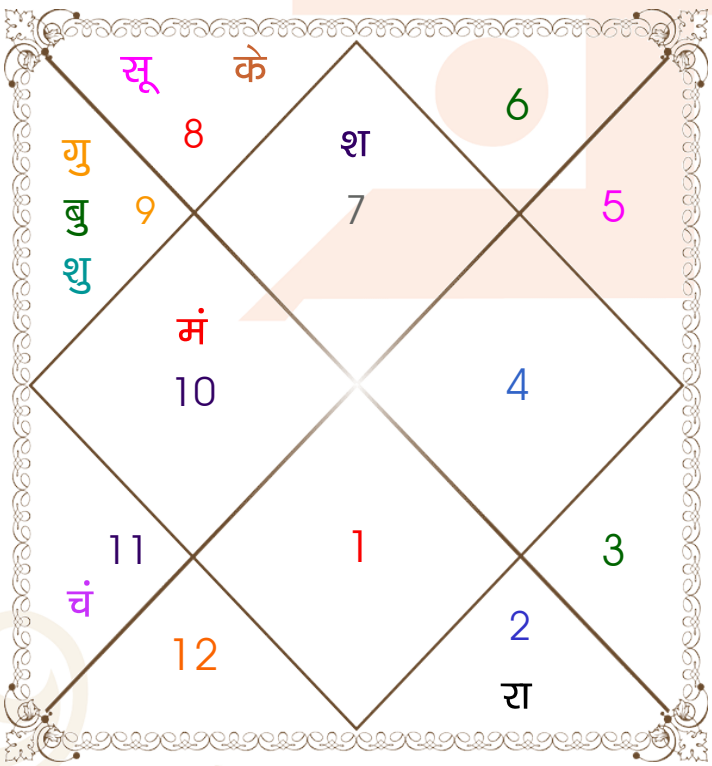

चन्द्र कुंडली

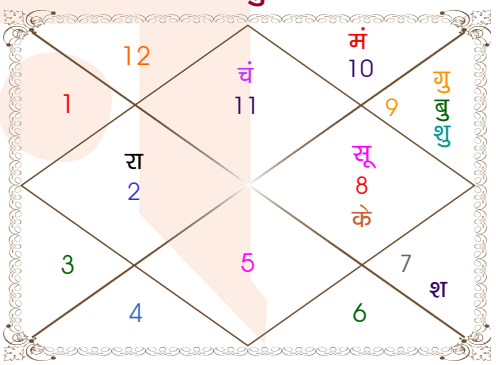

नवमांश कुंडली

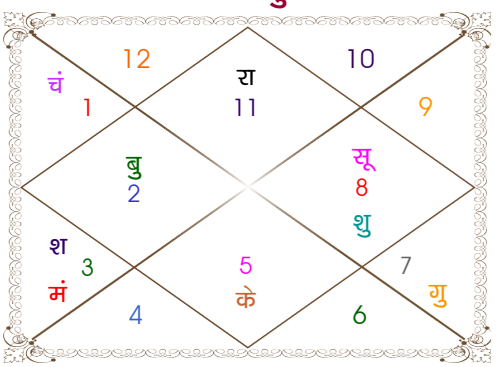

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 8 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/12/1984		21/08/1998		20/08/2017		21/08/2034		20/08/2041	
21/08/1998		20/08/2017		21/08/2034		20/08/2041		20/08/2061	
	01/12/1984	शनि	23/08/2001	बुध	17/01/2020	केतु	17/01/2035	शुक्र	20/12/2044
शनि	21/04/1987	बुध	03/05/2004	केतु	13/01/2021	शुक्र	18/03/2036	सूर्य	20/12/2045
बुध	27/07/1989	केतु	11/06/2005	शुक्र	14/11/2023	सूर्य	24/07/2036	चंद्र	21/08/2047
केतु	03/07/1990	शुक्र	11/08/2008	सूर्य	20/09/2024	चंद्र	22/02/2037	मंगल	20/10/2048
शुक्र	03/03/1993	सूर्य	24/07/2009	चंद्र	19/02/2026	मंगल	21/07/2037	राहु	21/10/2051
सूर्य	20/12/1993	चंद्र	22/02/2011	मंगल	16/02/2027	राहु	08/08/2038	गुरु	21/06/2054
चंद्र	21/04/1995	मंगल	02/04/2012	राहु	05/09/2029	गुरु	15/07/2039	शनि	20/08/2057
मंगल	27/03/1996	राहु	07/02/2015	गुरु	12/12/2031	शनि	23/08/2040	बुध	20/06/2060
राहु	21/08/1998	गुरु	20/08/2017	शनि	21/08/2034	बुध	20/08/2041	केतु	20/08/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/08/2061		21/08/2067		20/08/2077		20/08/2084		22/08/2102	
21/08/2067		20/08/2077		20/08/2084		22/08/2102		00/00/0000	
सूर्य	08/12/2061	चंद्र	20/06/2068	मंगल	17/01/2078	राहु	03/05/2087	गुरु	09/10/2104
चंद्र	09/06/2062	मंगल	19/01/2069	राहु	04/02/2079	गुरु	26/09/2089	शनि	02/12/2104
मंगल	14/10/2062	राहु	21/07/2070	गुरु	11/01/2080	शनि	02/08/2092		00/00/0000
राहु	08/09/2063	गुरु	20/11/2071	शनि	19/02/2081	बुध	19/02/2095		00/00/0000
गुरु	26/06/2064	शनि	21/06/2073	बुध	16/02/2082	केतु	09/03/2096		00/00/0000
शनि	08/06/2065	बुध	20/11/2074	केतु	15/07/2082	शुक्र	10/03/2099		00/00/0000
बुध	15/04/2066	केतु	21/06/2075	शुक्र	14/09/2083	सूर्य	01/02/2100		00/00/0000
केतु	21/08/2066	शुक्र	19/02/2077	सूर्य	20/01/2084	चंद्र	03/08/2101		00/00/0000
शुक्र	21/08/2067	सूर्य	20/08/2077	चंद्र	20/08/2084	मंगल	22/08/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।